विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ का नाम	व्याकरण विषय	पृष्ठ संख्या
1.	बारहमासा	संयुक्त व्यंजन एवं उच्चारण	1
2.	नाटक में नाटक	अनुस्वार एवं अनुनासिक	8
3.	निर्मला, साँप और सयाल	संज्ञा व भेद	14
4.	बातूनी	उपसर्ग और प्रत्यय	20
5.	राजू का सपना	पत्र लेखन	28
6.	समय	विसर्ग चिह्न	29
7.	स्कूल की छुट्टियाँ	सर्वनाम व भेद	36
8.	एवरेस्ट की चुनौती	विशेषण व भेद	43
9.	सवाल का जवाब	क्रिया व भेद	50
10.	झंडा ऊँचा रहे हमारा	कहानी लेखन	56
11.	उस रात की बात	क्रिया विशेषण व भेद	57
12.	दोहे	विविध शब्द प्रयोग	63
13.	साहस को सलाम	काल व भेद	69
14.	एस. रामानुजन	डायरी लेखन	75
15.	अन्नदाता कृषक	रूढ़, यौगिक, योगरूढ़ शब्द	76
16.	देशभक्त पुरु	संयुक्त क्रिया एवं रंजक क्रिया समुच्चय बोधक अव्यय	82
17.	काकी	शब्द भेद (तत्सम, तद्भव, देशज, आगत)	88
18.	बाल-लीला और कुंडलिया	अनुप्रास अलंकार	94
19.	गणेशोत्सव	विराम-चिह्न	99
20.	कर्मवीर	कारक	106

अभ्यास

1

बारहमासा

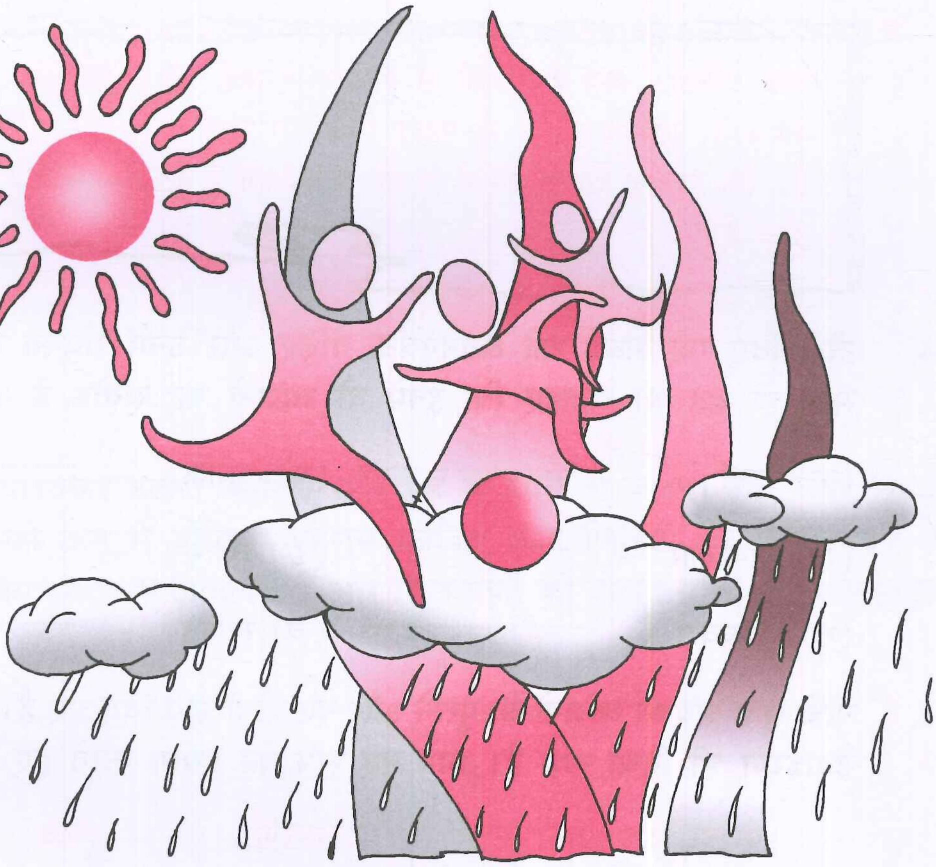

- चैत महीने का प्यारा,
- खट्मिट्ठी-सी धूप है
- छुट्टी हुई मदरसों की
- सावन की शोभा न्यारी
- भैया क्वार महीने में
- यह जीवन त्योहार है

1. ऊपर दी गई पंक्तियों में से उन शब्दों को छाँटकर लिखिए, जिनमें कोई भी एक व्यंजन बिना किसी स्वर के हैं–

..........प्यारा.......... ....

....

2. नीचे दिए गए शब्दों में मोटे काले वर्णों के बारे में बताइए कि उनमें किस स्वर का प्रयोग हुआ है–

(क) देश – ''द्'' + ''ए'' (घ) नाते – .... + ...

(ख) प्रति – .... + ... (ङ) अन्याय – .... + ...

(ग) बोलो – .... + ... (च) मिलजुल – .... + ...

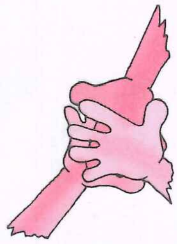

3. नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए–

नया, न्याय, अमल, अम्ल, क्या, काया, समान, सम्मान, सवार, स्वाद।

याद रखिए– जब दो या दो से अधिक व्यंजनों का संयोग होता है तो उसे **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं। संयुक्त व्यंजन में पहले व्यंजन में स्वर नहीं होता और दूसरे व्यंजन में स्वर होता है। तीन व्यंजनों के संयोग में पहले दो व्यंजनों में स्वर नहीं होता और तीसरे व्यंजन में स्वर होता है।

4. नीचे दिए गए शब्दों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनमें संयुक्त व्यंजनों के नीचे रेखा खींचिए। साथ ही यह भी बताइए कि इनमें दो व्यंजनों का संयोग है अथवा तीन व्यंजनों का–

(क) उन्हें – .... (घ) पुस्तक – ....

(ख) नमस्कार – .... (ङ) ज्योत्स्ना – ....

(ग) उज्ज्वल – .... (च) ख्याति – ....

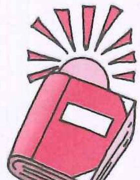

5. नीचे कुछ संयुक्त व्यंजनों के पुराने और नए दोनों रूप दिए गए हैं। पुराने रूप के अनुसार एक-एक उदाहरण भी दिया गया है। आप नए रूप का प्रयोग करते हुए एक-एक शब्द और लिखिए–

	पुराना रूप	नया रूप		उदाहरण	शब्द
(क)	द्य	द्‌य	–	विद्या	....
(ख)	द्व	द्‌व	–	द्वार	....
(ग)	द्ध	द्‌ध	–	शुद्ध	....
(घ)	ट्ट	ट्‌ट	–	मिट्टी	....
(ङ)	त्त	त्‌त	–	पत्ता	....
(च)	द्द	द्‌द	–	उद्देश्य	....

6. नीचे दिए गए शब्दों को उदाहरण के अनुसार बदलकर लिखिए–

उदाहरण– विद्यार्थी – विद्‌यार्थी

(क) यद्यपि – .... (घ) गड्ढा – ....

(ख) लड्डू – .... (ङ) चिह्न – ....

(ग) ब्राह्मण – .... (च) चिट्ठी – ....

7. नीचे दी गई वर्णमाला को पूरा कीजिए–

वर्ग	पहला वर्ण	दूसरा वर्ण	तीसरा वर्ण	चौथा वर्ण	पाँचवाँ वर्ण
क वर्ग	क	....	....	....	....
च वर्ग	....	....	....	....	....
ट वर्ग	....	....	....	....	....
त वर्ग	....	....	....	....	....
प वर्ग	....	....	....	....	....

अब अपनी हथेली को पलटकर उलटा कीजिए और मुँह के पास ले जाइए। अब ऊपर लिखी हुई वर्णमाला के वर्णों को क्रम से बोलिए। महसूस कीजिए और लिखिए कि प्रत्येक वर्ग के किन वर्णों को बोलते समय हवा कम निकलती है और किन वर्णों को बोलते समय हवा अपेक्षाकृत अधिक निकलती है–

क – कम हवा
ख – ....
ग – ....
घ – ....
ङ – ....
च – ....
छ – ....
ज – ....
झ – ....
ञ – ....
ट – ....
ठ – ....
ड – ....
ढ – ....
ण – ....
त – ....
थ – ....
द – ....
ध – ....
न – ....
प – ....
फ – ....
ब – ....
भ – ....
म – ....

8. **अपने अनुभव के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

प्रत्येक वर्ग के ······पहले·········· , ·······तीसरे·········· , ················ वर्ण के उच्चारण में हवा कम निकलती है और ·······दूसरे·········· , ········चौथे·········· वर्ण के उच्चारण में हवा ················ निकलती है।

याद रखिए– जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा कम मात्रा में निकलती है, उन्हें **अल्पप्राण (अल्प + प्राण = कम वायु) व्यंजन** कहते हैं। जिन व्यंजनों के उच्चारण में हवा अधिक मात्रा में निकलती है, उन्हें **महाप्राण (महा + प्राण = अधिक वायु) व्यंजन** कहते हैं।

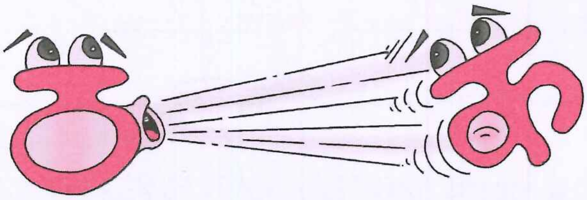

9. **नीचे दिए गए शब्दों को ध्यानपूर्वक बोल-बोलकर पढ़िए और लिखिए कि संयुक्त व्यंजन के रूप में आए व्यंजन कौन-से नंबर के वर्ण हैं और वे अल्पप्राण हैं अथवा महाप्राण–**

- अच्छा – ···पहला···वर्ण··· , ····अल्पप्राण··· + ···दूसरा···वर्ण··· , ·····महाप्राण···
- मक्खन – ················ , + ················ , + ················ , ················
- मच्छर – ················ , + ················ , + ················ , ················
- चिट्ठी – ················ , + ················ , + ················ , ················
- बुद्धि – ················ , + ················ , + ················ , ················
- पत्थर – ················ , + ················ , + ················ , ················

याद रखिए– संयुक्त व्यंजनों में वर्ग का पहला (अल्पप्राण) वर्ण दूसरे (महाप्राण) वर्ण से जुड़ता है तथा तीसरा (अल्पप्राण) वर्ण चौथे (महाप्राण) वर्ण से जुड़ता है। उदाहरण के लिए–गट्ठर, बुड्ढा। 'गट्ठर' शब्द में 'ट्' पहला अल्पप्राण व्यंजन है और 'ठ' दूसरा महाप्राण व्यंजन है। 'बुड्ढा' शब्द में 'ड्' तीसरा अल्पप्राण व्यंजन है और 'ढ' चौथा महाप्राण व्यंजन है।

10. **नीचे दिए गए संयुक्त व्यंजन वाले शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए–**

पक्का, सच्चा, मिट्‌टी, पत्ता, गप्प, दिग्गज, सज्जन, लड्डू, गद्‌दा, डिब्बा, अक्षुण्ण, अन्न, सम्मेलन।

पढ़े गए शब्दों के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

वर्ग के ...., तीसरे......... और .... वर्ण एक साथ दो बार (द्‌वित्व) आकर संयुक्त व्यंजन का निर्माण करते हैं।

11. **नीचे दिए गए शब्दों को ध्यानपूर्वक बोल-बोलकर पढ़िए–**

कष्ट, निष्ठा, कृष्ण

> याद रखिए– 'ष्' ट्, ठ, ण के साथ मिलकर संयुक्त व्यंजन का निर्माण करता है।

12. **दिए गए शीर्षकों के नीचे तीन-तीन उदाहरण लिखिए–**

	दो व्यंजनों का संयोग	अल्पप्राण एवं महाप्राण का संयोग	'ष्' के साथ ट, ठ, ण का संयोग	द्‌वित्व व्यंजन
(क)	....	....	....	....
(ख)	....	....	....	....
(ग)	....	....	....	....

आओ दोहराएँ

13. **नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–**

(क) फुलझड़ी – .... (घ) बादल में – ....

(ख) पतंग – .... (ङ) चेहरे पर – ....

(ग) जलधारा – .... (च) रंग के – ....

14. **नीचे दिए गए शब्दों के शुद्‌ध रूप लिखिए–**

(क) हरीयाली – .... (घ) रुप – ....

(ख) आंधी – .... (ङ) मोसम – ....

(ग) नयारी – .... (च) म्रिदंग – ....

15. नीचे दी गई वर्ग पहेली में से सार्थक शब्द ढूँढकर लिखिए–

म	धु	धु	मा
बा	द	ल	भा
स	र	ल	दो
ग	सा	व	न
ती	र्थ	थ	दी

आओ लिखें

16. दिए गए दृश्य के आधार पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए–

अभ्यास

2

नाटक में नाटक

- राकेश बार-बार संगीतकार जी का संवाद बोल रहा था।
- तभी शायर साहब संगीतकार के कंधे पर हाथ मारकर बोले, ''उधर जाकर सुन ले न।''
- दर्शक फिर ठठाकर हँस पड़े।
- राकेश दाँत पीस रहा था।
- तभी तेज़ी से राकेश मंच पर पहुँच गया।
- बात राकेश ने बहुत सँभाल ली थी।

1. ऊपर दी गई पंक्तियों में से उन शब्दों को छाँटकर लिखिए, जिनमें अनुस्वार (ं) अथवा

अनुनासिक (ँ) चिह्न का प्रयोग हुआ है–

अनुस्वार (ं) वाले शब्द		**अनुनासिक (ँ) वाले शब्द**	
....	....	....	....
....	....	....	....

2. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार चिह्न (ं) लगाइए–

(क) प्रशसा	(ग) सवाद	(ङ) व्यजन
(ख) स्वय	(घ) जगल	(च) आनद

3. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न (ँ) लगाइए–

(क) पहुचते	(ग) बधवाने	(ङ) कापना
(ख) हसी	(घ) धुआ	(च) महगा

4. नीचे दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) अथवा अनुनासिक चिह्न (ँ) लगाइए–

(क) सभव	(ग) गूजती	(ङ) शृगार
(ख) फादना	(घ) सुगध	(च) आसू

5. नीचे दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) पंचम वर्ण हैं–.................... ,.................... ,.................... ,.................... एवं ....।

(ख) यदि किसी पंचम वर्ण के बाद उसी के वर्ग का कोई अन्य..................आए तो उस वर्ण के स्थान पर.......................................चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(ग) यदि एक ही पंचम वर्ण एक साथ दो बार आए तो पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार चिह्न का प्रयोग ....किया जाएगा।

(घ) यदि..................वर्ण के बाद किसी अन्य वर्ग का कोई वर्ण आए तो पंचम वर्ण के स्थान पर .... चिह्न का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(ङ) यदि किसी वर्ण को बोलते समय हवा मुँह एवं......................से एक साथ बाहर निकले तो उस वर्ण के ऊपर..चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

(च) यदि किसी वर्ण को बोलते समय हवा मुँह एवं नाक से एक साथ बाहर निकले और उस वर्ण की शिरोरेखा के ऊपर कोई.........................हो तो वहाँ..चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

6. नीचे दिए गए शब्दों में पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार चिह्न (ं) का प्रयोग करते हुए शब्दों को दोबारा लिखिए–

(क) मन्दिर – .... (घ) सम्बन्ध – ....

(ख) कङ्गन – .... (ङ) मञ्च – ....

(ग) पञ्चम – .... (च) ठण्डा – ....

7. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। जिन शब्दों में पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार चिह्न (ं) का प्रयोग किया जाएगा, उनके सामने 'हाँ' लिखिए और जिन शब्दों में अनुस्वार चिह्न (ं) का प्रयोग नहीं किया जाएगा, उनके सामने 'नहीं' लिखिए। 'हाँ' अथवा 'नहीं' का कारण भी लिखिए–

(क) बसन्त – [हाँ] कारण – 'न्' पंचम वर्ण के बाद उसी के वर्ग का 'त्' वर्ण आया है।..........................

(ख) मण्डी – [ ] कारण – ....

....

(ग) अन्न – [ ] कारण – ....

....

(घ) बन्दर – [ ] कारण – ....

....

(ङ) जन्म – [ ] कारण – ....

....

(च) सम्बोधन – [ ] कारण – ....

....

(छ) सम्मान – ☐ कारण – ....

....

8. **उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों में अनुस्वार (ं) अथवा अनुनासिक (ँ) चिह्न लगाकर नए शब्द लिखिए–**

उदाहरण– गदा – गंदा

(क) चौक – .... (घ) सास – ....

(ख) आधी – .... (ङ) बाधा – ....

(ग) घटा – .... (च) गोद – ....

9. **अनुस्वार अथवा अनुनासिक के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में आए अंतर को वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–**

उदाहरण– गदा – सोहन ने एक गदा खरीदी।
गंदा – बच्चों ने सारा घर गंदा कर दिया।

(क) बाधा – ....

बाँधा – ....

(ख) गोद – ....

गोंद – ....

10. **नीचे दिए गए वाक्यों को 'है', 'हैं' अथवा 'हो' शब्द का प्रयोग करते हुए पूरा कीजिए–**

(क) तुम कहाँ जा रहे ....?

(ख) मोहन की माताजी आई ....।

(ग) शीला कक्षा में हमेशा प्रथम आती ....।

(घ) जो मंच पर आकर घबरा जाते ...., उनका साहस बढ़ाना चाहिए।

(ङ) मीना का भाई उसके लिए खिलौने लाया ....।

आओ दोहराएँ

11. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

(क) पट्टी – .... (घ) मोहल्ला – ....

(ख) पक्षी ने – .... (ङ) मित्र से – ....

(ग) चित्र की – .... (च) कठिनाई – ....

12. नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ छाँटकर लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

मूर्ख होना, गुस्सा करना, तंग करना, हार जाना, बहुत परिश्रम करना, वास्तविकता का पता लगना

(क) दाँत पीसना – ....

....

(ख) मुँह की खाना – ....

....

(ग) अक्ल का दुश्मन – ....

....

(घ) आँखें खुलना – ....

....

(ङ) कोल्हू का बैल – ....

....

(च) नाक में दम करना – ....

....

आओ लिखें

13. मान लीजिए कि राकेश, मोहन, सोहन और श्याम आपके सहपाठी हैं। वे विद्यालय में एक नाटक करते हैं। नाटक में राकेश, मोहन, सोहन और श्याम अपने-अपने संवाद भूल जाते हैं। फिर नाटक में जो कुछ होता है, उसके बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....